



The
ACHIEVERS
IAS ACADEMY
PATNA

Daily
NEWS CHRONICLE

IDEAL FOR

For UPSC/BPSC & For other Exams

Hindi

NEWS CREDIT

PIB/ PTI/ News On Air/ The Hindu/ IANS/ Business Standard/ Times Of India/ Deccan Herald/ Hindustan Times/ BBC News/ Aljazeera/ Mirror.Uk/ Times Now/ Economic Times/ Financial Express/ Indian Express...

NEWS COVERED

Business News, financial news, economy news, company news, politics news, India news, breaking news, Indian economy, International News, Sports News, and many more topics...



Monday, August 03, 2026



+91 8434931877



www.achieversiaspatna.co.in



achieversiaspatna@gmail.com

दिन की प्रमुख घटनाएं

- भारतीय सेना ने विषम मौसम की स्थिति में सैन्य गतिशीलता बढ़ाने के लिए स्वदेशी एक्सडब्ल्यूजी डीजल लॉन्च किया
- लोकसभा ने सिविल रिकॉर्ड को मजबूत करने के लिए जन्म और मृत्यु पंजीकरण संशोधन विधेयक 2026 पारित किया
- पीएम मोदी ने आंध्र प्रदेश कनेक्टिविटी को बढ़ावा देने के लिए अल्लूरी सीताराम राजू अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे का उद्घाटन किया
- कैबिनेट ने पूरे भारत में फ्लोटिंग सौर ऊर्जा क्षमता का विस्तार करने के लिए पीएम सूर्य सरोवर योजना को मंजूरी दी
- केंद्रीय मंत्रिमंडल ने देश भर में किसानों की आय को समर्थन देने के लिए पीएम-किसान योजना को 2030-31 तक बढ़ाया
- बाकू में अंडर-17 विश्व कुश्ती चैंपियनशिप में भारत ने रजत और कांस्य पदक जीते
- विदेश सचिव विक्रम मिश्री ने भारत-भूटान रणनीतिक साझेदारी को मजबूत करते हुए भूटान यात्रा पूरी की
- गुजरात की पिथौरा पेंटिंग को जीआई टैग मिला, जिससे जनजातीय संस्कृति और कारीगरों की आजीविका को बढ़ावा मिला
- पूर्व सेना प्रमुख जनरल विश्वनाथ शर्मा का निधन, सैन्य सेवा के लिए याद किया गया
- मंत्रिमंडल ने अपतटीय तेल और गैस की खोज को बढ़ावा देने के लिए समुद्र मंथन योजना को मंजूरी दी

भारतीय सेना ने लड़ाकू और रसद वाहनों के लिए स्वदेशी एक्सट्रीम वेदर ग्रेड (XWG) डीजल लॉन्च किया



- सेना प्रमुख (COAS), जनरल धीरज सेठ ने चरम जलवायु परिस्थितियों में भारतीय सेना के लड़ाकू और रसद वाहनों की गतिशीलता, विश्वसनीयता और परिचालन तत्परता को बढ़ाने के लिए स्वदेशी रूप से विकसित एक्सट्रीम वेदर ग्रेड (XWG) डीजल लॉन्च किया है।
- विशेष डीजल को पूर्वी लद्दाख, वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) और नियंत्रण रेखा (एलओसी) सहित उच्च ऊंचाई और उप-शून्य तापमान वाले क्षेत्रों में तैनाती के लिए डिज़ाइन किया गया है, जहां पारंपरिक डीजल अक्सर तरलता खो देता है।
- यह पहल भारत के रक्षा रसद को मजबूत करती है और रक्षा प्रौद्योगिकी में आत्मनिर्भर भारत के दृष्टिकोण का समर्थन करती है।

Xtreme वेदर ग्रेड (XWG) डीजल क्या है?

- एक्सट्रीम वेदर ग्रेड (एक्सडब्ल्यूजी) डीजल एक विशेष रूप से तैयार किया गया स्वदेशी सैन्य-ग्रेड डीजल ईंधन है जिसे बहुत कम तापमान में चालू रहने के लिए डिज़ाइन किया गया है।
- पारंपरिक डीजल के विपरीत, यह ठंड की स्थिति में अपनी प्रवाह विशेषताओं को बरकरार रखता है, जिससे बर्फ से ढके और पहाड़ी इलाकों में सैन्य वाहनों का निर्बाध कामकाज सुनिश्चित होता है।

ईंधन बढ़ाता है:

- उप-शून्य तापमान में वाहन की गतिशीलता।
- इंजन की विश्वसनीयता और प्रदर्शन।
- लड़ाकू संरचनाओं की परिचालन तत्परता।
- सैन्य रसद संचालन के दौरान सुरक्षा।
- कठोर जलवायु परिस्थितियों में ईंधन दक्षता।

भारत की रक्षा के लिये महत्व:

- एक्सडब्ल्यूजी डीजल की शुरुआत रणनीतिक रूप से संवेदनशील सीमावर्ती क्षेत्रों में सैनिकों, टैंकों, बख्तरबंद वाहनों और आपूर्ति काफिले की निर्बाध आवाजाही सुनिश्चित करके भारत की सैन्य रसद को काफी मजबूत करेगी।

यह इसके लिए विशेष रूप से महत्वपूर्ण है:

- उच्च ऊंचाई वाला युद्ध।
- सीमा पर बुनियादी ढांचे का समर्थन।
- तेजी से सेना जुटाना।
- सर्दियों के दौरान निरंतर सैन्य अभियान।
- भारत की उत्तरी सीमाओं पर युद्ध की तैयारियों में वृद्धि।

उच्च ऊंचाई वाले संचालन की चुनौतियाँ:

उच्च ऊंचाई वाले क्षेत्रों में सैन्य अभियानों को कई चुनौतियों का सामना करना पड़ता है, जिनमें शामिल हैं:

- बेहद कम तापमान।
- ऑक्सीजन का स्तर कम होना।
- भारी बर्फबारी।
- ईंधन को गाढ़ा करना या गेलिंग।
- कठिन इलाके और रसद।

- एक्सडब्ल्यूजी डीजल जैसे विशेष ईंधन इन परिचालन बाधाओं को दूर करने में मदद करते हैं।

संबंधित रक्षा पहल: आत्मनिर्भर भारत:

- XWG डीजल का विकास आत्मनिर्भर भारत पहल के अनुरूप है, जो निम्नलिखित को बढ़ावा देता है:
- स्वदेशी रक्षा प्रौद्योगिकियाँ।
- आयातित सैन्य उपकरणों पर निर्भरता कम हुई।
- भारत के रक्षा विनिर्माण पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करना।
- रणनीतिक प्रौद्योगिकियों में आत्मनिर्भरता।

संबंधित ईंधन प्रौद्योगिकी:

- भारत ने पहले लद्दाख जैसे ठंडे क्षेत्रों के लिए विंटर ग्रेड डीजल पेश किया है, जिसमें गंभीर सर्दियों के दौरान सुचारू रूप से इंजन संचालन सुनिश्चित करने के लिए बहुत कम पुट पॉइंट है। XWG डीजल चरम जलवायु परिस्थितियों में सैन्य परिचालन आवश्यकताओं के अनुरूप एक और प्रगति का प्रतिनिधित्व करता है।

परीक्षा फोकस बिंदु:

- पहल: एक्सट्रीम वेदर ग्रेड (एक्सडब्ल्यूजी) डीजल।
- द्वारा लॉन्च किया गया: जनरल धीरज सेठ, सेना प्रमुख
- उद्देश्य: चरम मौसम में लड़ाकू और रसद वाहनों के प्रदर्शन में सुधार करना।
- तैनाती क्षेत्र: पूर्वी लद्दाख, एलएसी, एलओसी।
- संबंधित पहल: आत्मनिर्भर भारत।

- सामरिक महत्व: उच्च ऊंचाई वाली सैन्य रसद और युद्ध तत्परता।
- संबंधित संस्थान: हाई एल्टीट्यूड वारफेयर स्कूल (एचएडब्ल्यूएस), गुलमर्गी।
- इससे पहले ईंधन पहल: लद्दाख के लिए शीतकालीन ग्रेड डीजल।

जन्म और मृत्यु पंजीकरण (संशोधन) विधेयक, 2026 लोकसभा में पारित



- छात्रों पर कथित पुलिस कार्रवाई को लेकर विपक्ष के लगातार विरोध प्रदर्शन के बीच लोकसभा ने संसद के मानसून सत्र के दौरान जन्म और मृत्यु पंजीकरण (संशोधन) विधेयक, 2026 पारित किया।
- यह विधेयक समय पर पंजीकरण सुनिश्चित करने, नागरिक पंजीकरण रिकॉर्ड की सटीकता में सुधार करने और भारत की महत्वपूर्ण सांख्यिकी प्रणाली की विश्वसनीयता बढ़ाने के उद्देश्य से जन्म और मृत्यु पंजीकरण अधिनियम, 1969 के तहत जन्म और मृत्यु के विलंबित पंजीकरण से संबंधित प्रावधानों को मजबूत करने का प्रयास करता है।

जन्म और मृत्यु पंजीकरण अधिनियम, 1969:

- जन्म और मृत्यु पंजीकरण अधिनियम, 1969 पूरे भारत में जन्म और मृत्यु के अनिवार्य पंजीकरण के लिए कानूनी ढांचा प्रदान करता है।

प्रमुख विशेषताएँ:

- जन्म और मृत्यु का पंजीकरण अनिवार्य बनाता है।
- पूरे देश में एक समान नागरिक पंजीकरण प्रणाली स्थापित करता है।
- रजिस्ट्रार की नियुक्ति का प्रावधान करता है।
- पंजीकरण और प्रमाण पत्र जारी करने की प्रक्रिया निर्धारित करता है।
- राष्ट्रीय महत्वपूर्ण आंकड़ों के संकलन को सक्षम बनाता है।

नागरिक पंजीकरण प्रणाली (सीआरएस):

- नागरिक पंजीकरण प्रणाली (सीआरएस) जन्म और मृत्यु जैसी महत्वपूर्ण घटनाओं को रिकॉर्ड करने के लिए भारत का आधिकारिक तंत्र है।

महत्व:

- जन्म से ही कानूनी पहचान प्रदान करता है।
- जन्म और मृत्यु प्रमाण पत्र जारी करने का समर्थन करता है।
- विश्वसनीय जनसांख्यिकीय आँकड़े उत्पन्न करता है।
- स्वास्थ्य, शिक्षा और कल्याण कार्यक्रमों की योजना बनाने में सहायता करता है।
- जनसंख्या नीतियों के कार्यान्वयन की सुविधा प्रदान करता है।

संशोधन के उद्देश्य:

- विधेयक का उद्देश्य भारत की नागरिक पंजीकरण प्रणाली (सीआरएस) को मजबूत करना है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि जन्म और मृत्यु निर्धारित समय सीमा के भीतर पंजीकृत की जाए। यह पंजीकरण में अनावश्यक देरी को हतोत्साहित करने, जनसांख्यिकीय रिकॉर्ड की सटीकता में सुधार करने, बेहतर सार्वजनिक सेवा वितरण की सुविधा प्रदान करने और विश्वसनीय जनसंख्या आंकड़ों के माध्यम से साक्ष्य-आधारित नीति निर्माण का समर्थन करने का प्रयास करता है।

विधेयक के प्रमुख प्रावधान:

- संशोधन सख्त प्रक्रियाओं और सत्यापन आवश्यकताओं को लागू करके विलंबित पंजीकरण की प्रक्रिया को और अधिक कठोर बनाता है। इसका उद्देश्य नागरिकों को जन्म और मृत्यु को तुरंत पंजीकृत करने के लिए प्रोत्साहित करना है, जिससे धोखाधड़ी या गलत प्रविष्टियों को कम किया जा सके और आधिकारिक रिकॉर्ड की अखंडता को मजबूत किया जा सके। संशोधन जन्म और मृत्यु पंजीकरण की अनिवार्य प्रकृति को नहीं बदलता है, लेकिन मौजूदा समयसीमा के अनुपालन में सुधार करने पर ध्यान केंद्रित करता है।

भारत के महापंजीयक (RGI) का कार्यालय:

- भारत के महापंजीयक (आरजीआई) भारत में नागरिक पंजीकरण प्रणाली के प्रशासन के लिए जिम्मेदार हैं।
- संगठन: भारत के महापंजीयक (आरजीआई) का कार्यालय
- प्रशासनिक: मंत्रालय गृह मंत्रालय
- कार्य: नागरिक पंजीकरण प्रणाली, जनगणना, नमूना पंजीकरण प्रणाली (एसआरएस)

नमूना पंजीकरण प्रणाली (एसआरएस):

- नमूना पंजीकरण प्रणाली (एसआरएस) अनुमान लगाने के लिए भारत का सबसे बड़ा जनसांख्यिकीय सर्वेक्षण है:

- जन्म दर।
- मृत्यु दर।
- शिशु मृत्यु दर (आईएमआर)।
- प्रजनन दर।
- अन्य महत्वपूर्ण जनसांख्यिकीय संकेतक।

- यह भारत के महापंजीयक के कार्यालय द्वारा आयोजित किया जाता है।

संवैधानिक और कानूनी महत्व:

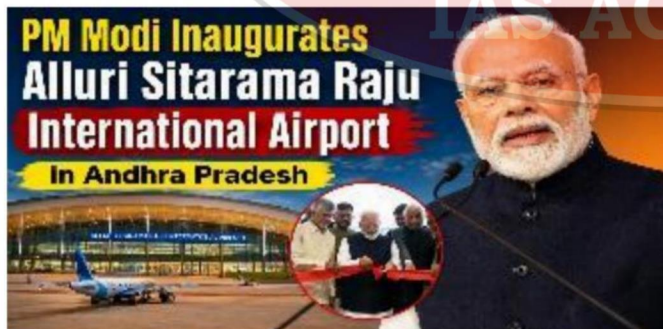
- हालाँकि संविधान में विशेष रूप से जन्म पंजीकरण का उल्लेख नहीं है, लेकिन यह कई संवैधानिक सिद्धांतों से जुड़ा हुआ है:
- अनुच्छेद 21 - जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता का अधिकार (कानूनी पहचान और सेवाओं तक पहुंच)।

- सार्वजनिक स्वास्थ्य और कल्याण को बढ़ावा देने वाले राज्य के नीति निर्देशक सिद्धांत।
- सतत विकास लक्ष्य (एसडीजी) 16.9 - जन्म पंजीकरण सहित सभी के लिए कानूनी पहचान प्रदान करना।

परीक्षा फोकस बिंदु:

- विधेयक: जन्म और मृत्यु पंजीकरण (संशोधन) विधेयक, 2026
- माता-पिता अधिनियम: जन्म और मृत्यु पंजीकरण अधिनियम, 1969
- उद्देश्य: विलंबित पंजीकरण के प्रावधानों को मजबूत करना।
- संबंधित प्रणाली: नागरिक पंजीकरण प्रणाली (सीआरएस)।
- कार्यान्वयन प्राधिकरण: भारत के महापंजीयक (आरजीआई)।
- प्रशासनिक मंत्रालय: गृह मंत्रालय।
- संबंधित सर्वेक्षण: नमूना पंजीकरण प्रणाली (एसआरएस)।
- संबंधित एसडीजी: एसडीजी 16.9 - सभी के लिए कानूनी पहचान।

प्रधानमंत्री मोदी ने आंध्र प्रदेश में अल्लूरी सीताराम राजू अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे का उद्घाटन किया



- प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने आंध्र प्रदेश के विजयनगरम जिले के भोगापुरम में अल्लूरी सीताराम राजू अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे का उद्घाटन किया।
- ग्रीनफील्ड अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे के रूप में विकसित, इस परियोजना से उत्तरी तटीय आंध्र प्रदेश को विमानन, पर्यटन, व्यापार, रसद और औद्योगिक विकास के लिए एक प्रमुख केंद्र में बदलने की उम्मीद है।
- लगभग 5,600 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से निर्मित, हवाई अड्डे को उड़ान और पीएम गति शक्ति पहल का समर्थन करते हुए घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय कनेक्टिविटी में उल्लेखनीय सुधार करने के लिए डिज़ाइन किया गया है।

प्रमुख विशेषताएँ:

- 3,800 मीटर कोड 4ई रनवे बोर्डिंग 777 और एयरबस ए350 जैसे बड़े आकार के विमानों को संभालने में सक्षम है।
- एकीकृत घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय यात्री टर्मिनल।

- निर्यात को बढ़ावा देने के लिए समर्पित कार्गो टर्मिनल।
- फ्लाईंग फिश से प्रेरित टर्मिनल वास्तुकला, बंगाल की खाड़ी की समुद्री विरासत को दर्शाती है।

ग्रीनफील्ड हवाई अड्डा:

- ग्रीनफील्ड हवाई अड्डा एक हवाई अड्डा है जो मौजूदा हवाई अड्डे के विस्तार के बजाय पहले से अविकसित भूमि पर बनाया गया है।

लाभ

- आधुनिक बुनियादी ढांचा और प्रौद्योगिकी।
- बेहतर यात्री और कार्गो हैंडलिंग।
- भविष्य के विस्तार की गुंजाइश।
- बेहतर परिचालन दक्षता।
- क्षेत्रीय आर्थिक विकास का समर्थन करता है।

उड़ान योजना के बारे में:

- उड़ान (उड़ें देश का आम नागरिक) राष्ट्रीय नागरिक उड्डयन नीति, 2016 के तहत शुरू की गई भारत सरकार की क्षेत्रीय कनेक्टिविटी योजना है।

उद्देश्य

- कम सेवा वाले और असेवित क्षेत्रों के लिए हवाई संपर्क में सुधारा।
- हवाई यात्रा को किफायती बनाएं।
- संतुलित क्षेत्रीय विकास को बढ़ावा देना।
- पर्यटन और आर्थिक विकास को बढ़ाना।

अल्लूरी सीताराम राजू के बारे में:

- अल्लूरी सीताराम राजू (1897-1924) एक प्रमुख स्वतंत्रता सेनानी थे जिन्होंने ब्रिटिश शासन के खिलाफ रम्पा विद्रोह (मान्यम विद्रोह) का नेतृत्व किया था।

महत्वपूर्ण तथ्य:

- वर्तमान आंध्र प्रदेश के आदिवासी क्षेत्रों में सक्रिय।
- दमनकारी औपनिवेशिक वन कानूनों के खिलाफ आदिवासी समुदायों का नेतृत्व किया।
- अंग्रेजों के खिलाफ गुरिल्ला युद्ध का संचालन किया।
- 1924 में ब्रिटिश सेना द्वारा कब्जा किए जाने के बाद शहीद हो गए।

- उन्हें लोकप्रिय रूप से "मण्यम वीरुडु" (वनो के नायक) के रूप में जाना जाता है।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (AAI) के बारे में:

- स्थापित: 1995
- मुख्यालय: नई दिल्ली
- अध्यक्ष: विपिन कुमार

आंध्र प्रदेश:

- राजधानी: अमरावती
- राज्यपाल: सैयद अब्दुल नजीर
- मुख्यमंत्री: एन. चंद्रबाबू नायडू
- सबसे बड़ा शहर: विशाखापत्तनम
- प्रमुख बंदरगाह: विशाखापत्तनम बंदरगाह

परीक्षा फोकस बिंदु:

- हवाई अड्डा: अल्लूरी सीताराम राजू अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा।
- स्थान: भोगपुरम, विजयनगरम, आंध्र प्रदेश।
- प्रकार: ग्रीनफील्ड अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा।
- डेवलपर: जीएमआर विशाखापत्तनम इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड।
- यात्री क्षमता: 6 एमपीपीए (40 एमपीपीए तक विस्तार योग्य)।
- रनवे: 3,800 मीटर कोड 4E।
- स्वतंत्रता सेनानी अल्लूरी सीताराम राजू के नाम पर रखा गया है।
- संबंधित योजना: उड़ान।
- संबंधित पहल: पीएम गति शक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान।
- प्रशासनिक मंत्रालय: नागरिक उड्डयन मंत्रालय।

फ्लोटिंग सौर ऊर्जा क्षमता को बढ़ावा देने के लिए प्रधानमंत्री सूर्य सरोवर योजना को मंजूरी दी गई



- केंद्रीय मंत्रिमंडल ने पूरे भारत में फ्लोटिंग सोलर फोटोवोल्टिक (FSPV) परियोजनाओं को बढ़ावा देने के लिए ₹5,070 करोड़ के परिव्यय के साथ प्रधानमंत्री सूर्य सरोवर योजना (PM-SSY) को मंजूरी दे दी है।
- इस योजना का उद्देश्य मौजूदा जलाशयों, नहरों, औद्योगिक तालाबों और अन्य जल निकायों का उपयोग करके 5,000 मेगावाट (5 गीगावाट) फ्लोटिंग सौर क्षमता स्थापित करना है, जिससे अतिरिक्त भूमि की आवश्यकता के बिना नवीकरणीय ऊर्जा उत्पादन में वृद्धि हो सके।

- यह पहल भारत के स्वच्छ ऊर्जा परिवर्तन, ऊर्जा सुरक्षा और 2070 तक शुद्ध शून्य उत्सर्जन प्राप्त करने की प्रतिबद्धता का समर्थन करती है।

फ्लोटिंग सोलर फोटोवोल्टिक (एफएसपीवी) क्या है?

- फ्लोटिंग सोलर फोटोवोल्टिक (एफएसपीवी) सौर ऊर्जा संयंत्रों को संदर्भित करता है जो भूमि के बजाय जलाशयों, झीलों, नहरों और औद्योगिक तालाबों जैसे जल निकायों पर फ्लोटिंग प्लेटफॉर्म पर स्थापित होते हैं।

लाभ:

- अतिरिक्त भूमि की कोई आवश्यकता नहीं है।
- जल निकायों से वाष्पीकरण के नुकसान को कम करता है।
- पानी के शीतलन प्रभाव के कारण सौर पैनल की दक्षता में सुधार करता है।
- जलाशयों में शैवाल की वृद्धि को कम करता है।

- मौजूदा जल संसाधनों के सतत उपयोग का समर्थन करता है।
- कार्बन उत्सर्जन को कम करने में मदद करता है।

योजना का महत्व:

इस योजना से अपेक्षित है:

- नवीकरणीय ऊर्जा उत्पादन बढ़ाएँ।
- ऊर्जा सुरक्षा में सुधार।
- जल निकायों के सतत उपयोग को बढ़ावा देना।
- बड़े सौर पार्कों से जुड़े भूमि-उपयोग संघर्षों को कम करें।
- हरित ऊर्जा की ओर भारत के परिवर्तन का समर्थन करें।
- नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में रोजगार पैदा करना।

नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय (MNRE):

- स्थापित: 1992 (एक स्वतंत्र मंत्रालय के रूप में)
- मुख्यालय: नई दिल्ली
- मंत्री: प्रह्लाद जोशी
- प्रमुख नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र:
- सौर ऊर्जा।
- पवन ऊर्जा।
- छोटी पनबिजली
- जैव ऊर्जा।
- ग्रीन हाइड्रोजन।

भारत के नवीकरणीय ऊर्जा लक्ष्य:

- भारत ने अपनी जलवायु प्रतिबद्धताओं के तहत महत्वाकांक्षी नवीकरणीय ऊर्जा लक्ष्य निर्धारित किए हैं।
- प्रमुख लक्ष्य:
- 2030 तक 500 गीगावॉट गैर-जीवाश्म ईंधन बिजली क्षमता।
- 2030 तक स्थापित विद्युत शक्ति क्षमता का लगभग 50% गैर-जीवाश्म ईंधन स्रोतों से होगा।
- 2070 तक शुद्ध शून्य उत्सर्जन।
- राष्ट्रीय स्तर पर निर्धारित योगदान (एनडीसी) के तहत सकल घरेलू उत्पाद की उत्सर्जन तीव्रता में कमी।

संबंधित सरकारी पहल:

- पीएम सूर्य घर: मुफ्त बिजली योजना
- 2024 में लॉन्च किया गया।
- घरों के लिए रूफटॉप सोलर सिस्टम को बढ़ावा देता है।
- आवासीय छत सौर प्रतिष्ठानों के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करता है।
- इसका उद्देश्य घरेलू बिजली के बिलों को कम करना और वितरित सौर उत्पादन को बढ़ाना है।

पीएम-कुसुम योजना:

- 2019 में लॉन्च किया गया
- सौर पंपों की स्थापना को बढ़ावा देता है।
- मौजूदा कृषि पंपों का सोलराइजेशन।
- किसानों के लिए विकेंद्रीकृत नवीकरणीय ऊर्जा उत्पादन।

राष्ट्रीय सौर मिशन:

- 2010 में लॉन्च किया गया।
- जलवायु परिवर्तन पर राष्ट्रीय कार्य योजना (एनएपीसीसी) के तहत आठ मिशनों में से एक।
- सौर ऊर्जा प्रौद्योगिकियों के बड़े पैमाने पर तैनाती पर ध्यान केंद्रित करता है।

अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन (ISA):

- शुरू किया गया: 2015
- महानिदेशक: डॉ. आशीष खन्ना
- संस्थापक देश: भारत और फ्रांस
- मुख्यालय: गुरुग्राम, हरियाणा

जलवायु परिवर्तन पर राष्ट्रीय कार्य योजना (NAPCC):

- 2008 में लॉन्च किया गया, इसमें आठ राष्ट्रीय मिशन शामिल हैं, जिनमें शामिल हैं:
- राष्ट्रीय सौर मिशन।
- राष्ट्रीय जल मिशन।
- संवर्धित ऊर्जा दक्षता के लिए राष्ट्रीय मिशन।
- सतत कृषि के लिए राष्ट्रीय मिशन।

भारत में फ्लोटिंग सोलर पोटेंशियल:

- भारत के पास अपने विशाल नेटवर्क के कारण महत्वपूर्ण तैरती सौर क्षमता है:
- जलाशय।

- बांधा
- सिंचाई नहरों
- झीलें
- औद्योगिक जल निकास

● फ्लोटिंग सोलर समान जलाशय बुनियादी ढांचे का उपयोग करके जलविद्युत परियोजनाओं को पूरक कर सकता है।

परीक्षा फोकस बिंदु:

- स्कीम: प्रधान मंत्री सूर्य सरोवर योजना (पीएम-एसएसवाई)।
- परिश्रम: ₹5,070 करोड़

- लक्ष्य: 5,000 मेगावाट फ्लोटिंग सोलर पीवी क्षमता।
- कार्यान्वयन अवधि: वित्त वर्ष 2026-27 से वित्त वर्ष 2030-31 तक।
- नोडल मंत्रालय: नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय।
- प्रौद्योगिकी: फ्लोटिंग सोलर फोटोवोल्टिक (एफएसपीवी)।
- संबंधित योजना: पीएम सूर्य घर: मुफ्त बिजली योजना।
- संबंधित मिशन: राष्ट्रीय सौर मिशन।
- अंतर्राष्ट्रीय पहल: अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन।
- जलवायु लक्ष्य: 2070 तक शुद्ध शून्य उत्सर्जन।

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने पीएम-किसान योजना को 2030-31 तक बढ़ाने की मंजूरी दी



योजना के उद्देश्य

पीएम-किसान योजना का उद्देश्य है:

- केंद्रीय मंत्रिमंडल ने लगभग 3.15 लाख करोड़ रुपये के वित्तीय परिव्यय के साथ प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि (पीएम-किसान) योजना को 2026-27 से 2030-31 तक और पांच साल के लिए बढ़ाने को मंजूरी दे दी है।
- यह योजना तीन समान किस्तों में प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) के माध्यम से पात्र भूमिधारक किसान परिवारों को 6,000 रुपये की वार्षिक आय सहायता प्रदान करना जारी रखेगी।
- यह विस्तार किसानों की आय में सुधार, ग्रामीण आजीविका को मजबूत करने और समावेशी कृषि विकास को बढ़ावा देने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता की पुष्टि करता है।

- भूधारक किसानों को सुनिश्चित आय सहायता प्रदान करना।
- कृषि कार्यों के लिए किसानों की तरलता में सुधार करना।
- अनौपचारिक ऋण स्रोतों पर निर्भरता कम करना।
- डीबीटी के माध्यम से वित्तीय समावेशन को बढ़ावा देना।
- ग्रामीण आय और कृषि उत्पादकता में वृद्धि करना।

पात्रता मानदंड

- इस योजना में पात्र भूमिधारक किसान परिवारों को शामिल किया गया है, जिन्हें पति, पत्नी और नाबालिग बच्चों के रूप में परिभाषित किया गया है, जिनके पास खेती योग्य भूमि है।

बहिष्कृत श्रेणियाँ

निम्नलिखित पात्र नहीं हैं:

PM-KISAN योजना के बारे में:

- प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि (पीएम-किसान) 24 फरवरी 2019 को शुरू की गई एक केंद्रीय क्षेत्र की योजना है जो पूरे भारत में पात्र भूमिधारक किसान परिवारों को सुनिश्चित आय सहायता प्रदान करती है।
- इस योजना के तहत, प्रत्येक पात्र किसान परिवार को प्रति वर्ष 6,000 रुपये मिलते हैं, जिसका भुगतान 2,000 रुपये की तीन समान किस्तों में सीधे आधार से जुड़े बैंक खातों में प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण (डीबीटी) तंत्र के माध्यम से किया जाता है। इसका उद्देश्य कृषि आदानों की खरीद और घरेलू खर्चों को पूरा करने के लिए किसानों की वित्तीय जरूरतों को पूरा करना है।

- संस्थागत भूमिधारक।
- वर्तमान और पूर्व संवैधानिक पद धारक।
- केंद्र/राज्य सरकार के सेवारत या सेवानिवृत्त अधिकारी और कर्मचारी (कुछ श्रेणियों को छोड़कर)।
- आयकर दाता।
- डॉक्टर, इंजीनियर, वकील, चार्टर्ड एकाउंटेंट और आर्किटेक्ट जैसे पेशेवर अभ्यास में लगे हुए हैं।

पीएम-किसान के तहत डिजिटल पहल:

पारदर्शिता और सेवा वितरण में सुधार के लिए, सरकार ने निम्नलिखित लागू किए हैं:

- लाभार्थी प्रमाणीकरण के लिए ई-केवाईसी।
- पीएम-किसान मोबाइल ऐप।
- किसान ई-मित्र, एक एआई-संचालित चैटबॉट है जो कई भारतीय भाषाओं में योजना से संबंधित जानकारी प्रदान करता है।
- आधार आधारित भुगतान प्रणाली।
- ऑनलाइन लाभार्थी स्थिति ट्रैकिंग।

संबंधित कृषि योजनाएं:

- पीएम फसल बीमा योजना (पीएमएफबीआई): प्राकृतिक आपदाओं, कीटों और बीमारियों के खिलाफ फसल बीमा प्रदान करती है। 2016 में लॉन्च किया गया।
- प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना (पीएमकेएसवाई): "हर खेत को पानी" और "प्रति बूंद अधिक फसल" के नारे के तहत सिंचाई दक्षता को बढ़ावा देती है। 2015 में लॉन्च किया गया।
- किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी): किसानों को रियायती ब्याज दरों पर संस्थागत ऋण प्रदान करता है। 1998 में लॉन्च किया गया।

- कृषि अवसंरचना कोष (एआईएफ): मध्यम और दीर्घकालिक वित्तपोषण के माध्यम से फसल कटाई के बाद के बुनियादी ढांचे और सामुदायिक कृषि परिसंपत्तियों का समर्थन करता है। 2020 में लॉन्च किया गया।
- प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी): प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) एक ऐसा तंत्र है जिसके माध्यम से सरकारी सब्सिडी और कल्याणकारी लाभ सीधे लाभार्थियों के बैंक खातों में स्थानांतरित किए जाते हैं। 2013 में लॉन्च किया गया।

परीक्षा फोकस बिंदु:

- योजना: पीएम-किसान।
- शुरू किया गया: 24 फरवरी 2019।
- प्रकार: केंद्रीय क्षेत्र की योजना।
- विस्तार: वित्त वर्ष 2030-31 तक।
- वित्तीय परिव्यय: ₹3.15 लाख करोड़।
- वार्षिक सहायता: ₹6,000 प्रति पात्र किसान परिवार।
- स्थानांतरण मोड: आधार-सक्षम प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण (डीबीटी)।
- नोडल मंत्रालय: कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय।
- डिजिटल पहल: किसान ई-मित्र एआई चैटबॉट।
- उद्देश्य: भूधारक किसान परिवारों के लिए आय सहायता।

भारत ने अंडर-17 विश्व कुश्ती चैंपियनशिप 2026 में एक रजत और दो कांस्य पदक जीते



- भारत ने अजरबैजान के बाकू में आयोजित यूनाइटेड वर्ल्ड रेसलिंग (UWW) U17 वर्ल्ड रेसलिंग चैंपियनशिप 2026 में प्रभावशाली प्रदर्शन करते हुए ग्रीको-रोमन वर्ग में एक रजत और दो कांस्य पदक जीते।
- अनुज ने 65 किग्रा वर्ग में रजत पदक जीता, जबकि आदित्य गुप्ता (55 किग्रा) और हरदीप (110 किग्रा) ने कांस्य पदक हासिल किए, जो वैश्विक मंच पर आयु वर्ग कुश्ती में भारत की बढ़ती ताकत को दर्शाता है।

भारत का प्रदर्शन:

- भारत ने ग्रीको-रोमन प्रतियोगिता में तीन पदक जीतकर आयु वर्ग कुश्ती में अपनी मजबूत परंपरा को जारी रखा।

पहलवान	कोटि	पदक
अनुज	65 किलो	चाँदी जैसा
आदित्य गुप्ता	55 किग्रा	काँसा रंग
हरदीप	110 किलो	काँसा रंग

U17 विश्व कुश्ती चैंपियनशिप के बारे में:

- U17 विश्व कुश्ती चैंपियनशिप 17 वर्ष से कम आयु के एथलीटों के लिए यूनाइटेड वर्ल्ड रेसलिंग (UWW) द्वारा आयोजित एक वार्षिक अंतरराष्ट्रीय कुश्ती प्रतियोगिता है।

प्रतियोगिता श्रेणियाँ

- पुरुषों की फ्रीस्टाइल।
- महिला कुश्ती।

- ग्रीको-रोमन कुश्ती।
- राष्ट्रपति: नेनाद लालोविक

ग्रीको-रोमन कुश्ती क्या है?

- ग्रीको-रोमन कुश्ती दो ओलंपिक कुश्ती विषयों में से एक है।
- प्रमुख विशेषताएँ:**
 - पहलवानों को केवल कमर के ऊपर हमला करने की अनुमति है।
 - कमर के नीचे पकड़ और पैर के हमले निषिद्ध हैं।
 - श्रो, लिफ्ट और ऊपरी शरीर की तकनीकों पर अधिक जोर।
 - 1896 से आधुनिक ओलंपिक खेलों में शामिल है।

फ्रीस्टाइल और ग्रीको-रोमन कुश्ती के बीच अंतर

विशेषता	फ्रीस्टाइल	ग्रीको-रोमन
पैर के हमले	अनुमति है	अनुमति नहीं है
कमर के नीचे रखता है	अनुमति है	निषिद्ध
ओलंपिक स्थिति हाँ	हाँ	हाँ
मुख्य फोकस है	पूरे शरीर की तकनीक	ऊपरी शरीर फेंकता है और जकड़ता है

यूनाइटेड वर्ल्ड रेसलिंग (UWW) के बारे में:

मुख्यालय: Corsier-sur-Vevey, स्विट्जरलैंड
स्थापित: 1912 (FILA के रूप में); 2014 में UWW का नाम बदलकर किया गया

भारतीय कुश्ती महासंघ (WFI):

स्थापित: 1967
मुख्यालय: नई दिल्ली
अध्यक्ष: संजय सिंह
सचिव: वी.एन. प्रसूद

परीक्षा फोकस बिंदु:

आयोजन: U17 विश्व कुश्ती चैंपियनशिप 2026।
स्थान: बाकू, अज़रबैजान।
शासी निकाय: यूनाइटेड वर्ल्ड रेसलिंग (UWW)।
भारत का प्रदर्शन: 1 रजत और 2 कांस्य पदक।
रजत पदक: अनुज (65 किग्रा)।
कांस्य पदक: आदित्य गुप्ता (55 किग्रा) और हरदीप (110 किग्रा)।
अनुशासन: ग्रीको-रोमन कुश्ती।
UWW मुख्यालय: Corsier-sur-Vevey, स्विट्जरलैंड।
राष्ट्रीय शासी निकाय: भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई)।

विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने भूटान की दो दिवसीय आधिकारिक यात्रा समाप्त की।



- विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने भूटान की अपनी दो दिवसीय आधिकारिक यात्रा समाप्त की, जिसमें भारत की पड़ोसी पहले नीति के तहत भारत और भूटान के बीच घनिष्ठ और अद्वितीय साझेदारी की पुष्टि हुई।
- यात्रा के दौरान, उन्होंने भूटान के राजा जिग्मे खेसर नामग्याल वांगचुक, प्रधान मंत्री शेरिंग तोबगे, विदेश मंत्री डीएन ढुंगेल और विदेश सचिव दाशो पेमा लेकुप दोरजी सहित भूटान के शीर्ष नेतृत्व के साथ बैठकें कीं।

- उन्होंने 5वीं भारत-भूटान विकास सहयोग वार्ता की सह-अध्यक्षता भी की, जहां दोनों पक्षों ने भूटान की 13वीं पंचवर्षीय योजना के तहत भारत से सहायता प्राप्त परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा की और बुनियादी ढांचे, स्वास्थ्य, शिक्षा, कनेक्टिविटी, ऊर्जा और क्षमता निर्माण में सहयोग बढ़ाने पर चर्चा की। भारत ने भूटान की विकास प्राथमिकताओं का समर्थन करने के लिए ₹4,000 करोड़ की रियायती ऋण सहायता (एलओसी) पर भी हस्ताक्षर किए।

यात्रा के प्रमुख परिणाम:

- यह यात्रा विकास सहयोग बढ़ाने के माध्यम से लंबे समय से चली आ रही भारत-भूटान साझेदारी को मजबूत करने पर केंद्रित थी। दोनों देशों ने भूटान की 13वीं पंचवर्षीय योजना के तहत भारत की सहायता के कार्यान्वयन की समीक्षा की और बुनियादी ढांचे, कनेक्टिविटी, स्वास्थ्य, शिक्षा, डिजिटल प्रौद्योगिकी, नवीकरणीय ऊर्जा, कौशल विकास और मानव संसाधन क्षमता निर्माण में परियोजनाओं में तेजी लाने पर चर्चा की।

- भारत ने भूटान के सामाजिक-आर्थिक विकास के लिए अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि करते हुए 4,000 करोड़ रुपये की रियायती ऋण सहायता भी दी। दोनों पक्ष स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में सहयोग को गहरा करने और नियमित उच्च स्तरीय राजनीतिक आदान-प्रदान बनाए रखने पर सहमत हुए।

भारत-भूटान विकास सहयोग:

- भारत भूटान का सबसे बड़ा विकास भागीदार है और इसने प्रोजेक्ट टाइड असिस्टेंस (पीटीए), उच्च प्रभाव सामुदायिक विकास परियोजनाओं (एचआईसीडीपी), अनुदान और रियायती ऋणों के माध्यम से देश की पंचवर्षीय योजनाओं का लगातार समर्थन किया है।
- विकास सहयोग वार्ता, जिसे आमतौर पर योजना वार्ता के रूप में जाना जाता है, द्विपक्षीय विकास परियोजनाओं की समीक्षा करने और सहयोग के भविष्य के क्षेत्रों की पहचान करने के लिए प्रमुख संस्थागत तंत्र है।

भारत की पड़ोसी प्रथम नीति:

- नेबरहुड फर्स्ट पॉलिसी भारत के पड़ोसी देशों के साथ राजनीतिक, आर्थिक, कनेक्टिविटी, सुरक्षा और लोगों से लोगों के संबंधों को मजबूत करने को प्राथमिकता देती है।

उद्देश्य:

- क्षेत्रीय शांति और स्थिरता को बढ़ावा देना।
- आर्थिक एकीकरण को बढ़ाएँ।
- सीमा पार कनेक्टिविटी में सुधार करें।
- ऊर्जा सहयोग को मजबूत करें।
- व्यापार और निवेश का विस्तार करें।
- सांस्कृतिक और शैक्षिक आदान-प्रदान को गहरा करें।

- भूटान इस नीति के तहत सबसे महत्वपूर्ण भागीदारों में से एक बना हुआ है।

भारत-भूटान संबंध:

- भारत और भूटान आपसी विश्वास, मित्रता और रणनीतिक सहयोग पर आधारित विशेष राजनयिक संबंध साझा करते हैं।

सहयोग के प्रमुख क्षेत्र:

- जल विद्युत।
- व्यापार और वाणिज्य।
- पढ़ाई।
- स्वास्थ्य देखभाल।
- डिजिटल कनेक्टिविटी।

- बुनियादी ढांचे का विकास।
- अंतरिक्ष सहयोग।
- क्षमता निर्माण।
- सीमा प्रबंधन।

- भारत भूटान का सबसे बड़ा व्यापारिक भागीदार है और भूटान के निर्यात के लिए प्रमुख गंतव्य है।

भारत-भूटान मैत्री संधि:

- भारत-भूटान मैत्री संधि पर मूल रूप से 1949 में हस्ताक्षर किए गए थे और 2007 में संशोधित किए गए थे।

2007 की संधि की मुख्य विशेषताएं:

- भूटान को पूर्ण संप्रभु राष्ट्र के रूप में मान्यता देता है।
- संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता के लिए आपसी सम्मान को बढ़ावा देता है।
- रक्षा, सुरक्षा, व्यापार और आर्थिक विकास में सहयोग को मजबूत करता है।
- आपसी हित के मुद्दों पर गहन परामर्श की व्यवस्था करता है।

भूटान:

- राजधानी: थिम्पू
- मुद्रा: Ngultrum (BTN)
- राजा: जिग्मे खेसर नामग्याल वांगचुक
- प्रधान मंत्री: शेरींग तोबगे

जलविद्युत सहयोग:

- पनबिजली भारत-भूटान आर्थिक संबंधों की आधारशिला है।

प्रमुख जलविद्युत परियोजनाएं:

- चुखा जल विद्युत परियोजना।
- ताला जलविद्युत परियोजना।
- मंगदेछू जल विद्युत परियोजना।
- पुनात्सांगचू-I जल विद्युत परियोजना।
- पुनात्सांगचू-II जल विद्युत परियोजना।

- भूटान भारत को अधिशेष पनबिजली का निर्यात करता है, जिससे जलविद्युत भूटान के लिए राजस्व का एक प्रमुख स्रोत बन जाता है।

बिम्सटेक:

- भारत और भूटान दोनों बहु-क्षेत्रीय तकनीकी और आर्थिक सहयोग के लिए बंगाल की खाड़ी पहल (बिम्सटेक) के सदस्य हैं।

स्थापित: 1997

मुख्यालय: ढाका, बांग्लादेश

सदस्य: बांग्लादेश, भूटान, भारत, म्यांमार, नेपाल, श्रीलंका, थाईलैंड

परीक्षा फोकस बिंदु:

विदेश सचिव: विक्रम मिश्री।

दौरा किया गया देश: भूटान।

प्रमुख बैठक: 5वीं भारत-भूटान विकास सहयोग वार्ता।

विकास योजना की समीक्षा: भूटान की 13वीं पंचवर्षीय योजना।

वित्तीय सहायता: ₹4,000 करोड़ की रियायती ऋण सहायता।

विदेश नीति: पड़ोसी पहले नीति।

मैत्री संधि: 1949 (2007 में संशोधित)।

प्रमुख सहयोग क्षेत्र: जल विद्युत।

क्षेत्रीय समूह: बिम्सटेक और बीबीआईएन।

गुजरात की पिथौरा पेंटिंग को भौगोलिक संकेत (जीआई) टैग मिला, जिससे आदिवासी कला और आजीविका को बढ़ावा मिला



गुजरात की पारंपरिक अनुष्ठानिक लोक कला, पिथौरा पेंटिंग को भौगोलिक संकेत (जीआई) टैग मिला है, जो आदिवासी सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण और स्वदेशी कारीगरों की आजीविका को बढ़ावा देता है। मुख्य रूप से छोटा उदयपुर, वडोदरा और पंचमहल जिलों में राठवा, भील और भीलाला आदिवासी समुदायों द्वारा प्रचलित पिथौरा पेंटिंग केवल एक कला रूप नहीं है, बल्कि राठवा जनजाति के मुख्य देवता बाबा पिथौरा को समर्पित एक पवित्र अनुष्ठान है।

जीआई मान्यता से बाजार पहुंच बढ़ाने, कला की प्रामाणिकता की रक्षा करने, नकल को रोकने और आदिवासी कलाकारों की सामाजिक-आर्थिक स्थितियों में सुधार होने की उम्मीद है।

पिथौरा पेंटिंग के बारे में:

पिथौरा पेंटिंग एक अनुष्ठानिक आदिवासी लोक कला है जिसे पारंपरिक रूप से घरों की आंतरिक दीवारों पर बाबा पिथौरा को चढ़ाने के रूप में चित्रित किया जाता है, जो समृद्धि, अच्छे स्वास्थ्य, वर्षा और शांति की तलाश करता है। समय के साथ, कला मिट्टी की दीवारों से कैनवास, कागज और घर की सजावट के उत्पादों तक विकसित हुई है, जो आदिवासी कारीगरों को अपने सांस्कृतिक महत्व को संरक्षित करते हुए राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय बाजारों तक पहुंचने में सक्षम बनाती है।

पिथौरा पेंटिंग की विशेषताएं:

पिथौरा चित्रों में जीवंत रंग और आदिवासी जीवन और आध्यात्मिकता के प्रतीकात्मक प्रतिनिधित्व की विशेषता है।

प्रमुख विशेषताएं:

- प्राकृतिक और खनिज आधारित रंगों का उपयोग करके चित्रित।
- घोड़ों, देवताओं, पूर्वजों, पक्षियों, जानवरों, पेड़ों और प्रकृति का समृद्ध चित्रण।
- अनुष्ठानों और धार्मिक समारोहों से निकटता से जुड़ा हुआ है।
- पारंपरिक रूप से लखारा (आदिवासी चित्रकारों) द्वारा बनाया गया।
- प्रत्येक पेंटिंग अद्वितीय है, जो पारंपरिक प्रतीकवाद को संरक्षित करते हुए कलाकार की शैली को दर्शाती है।

GI टैग का महत्व:

जीआई टैग कानूनी सुरक्षा और आर्थिक अवसर प्रदान करता है:

- पिथौरा पेंटिंग की प्रामाणिकता की रक्षा करना।
- अनधिकृत नकल और दुरुपयोग को रोकना।
- घरेलू और अंतरराष्ट्रीय बाजारों में आदिवासी हस्तशिल्प को बढ़ावा देना।
- कारीगरों की आय और रोजगार में वृद्धि।
- भारत की आदिवासी सांस्कृतिक विरासत का संरक्षण।
- वोक्ल फॉर लोकल और आत्मनिर्भर भारत पहल का समर्थन करना।

जनजातीय कारीगरों के लिए सहायता:

- गुजरात राज्य हथकरघा और हस्तशिल्प विकास निगम (जीएसएचएचडीसी), अपने गरवी गुर्जरी ब्रांड के माध्यम से, पिथौरा पेंटिंग को बढ़ावा दे रहा है:
- कारीगरों से सीधे कलाकृतियां खरीदना।

- डिजाइन विकास कार्यशालाओं का आयोजन। - परिवहन और स्टाल सब्सिडी प्रदान करना। - प्रदर्शनियों और लाइव प्रदर्शनों में भागीदारी की सुविधा प्रदान करना। - जनजातीय हस्तशिल्प की डिजिटल मार्केटिंग को बढ़ावा देना।	- गुणनफल कोटि - पाटन पटोला हथकरघा वस्त्र - कच्छ कढ़ाई हस्तशिल्प - कैम्बे के एगेट्स पत्थर शिल्प - केसर आम देना कृषि उत्पाद - भालिया ब्हीट कृषि उत्पाद - सूरत जरी क्राफ्ट हस्तशिल्प - तंगालिया शॉल करघा
---	--

भौगोलिक संकेत (जीआई) क्या है?

- भौगोलिक संकेत (जीआई) एक बौद्धिक संपदा अधिकार है जो उन उत्पादों को दिया जाता है जिनके पास गुण, प्रतिष्ठा या विशेषताएं होती हैं जो अनिवार्य रूप से उनके भौगोलिक मूल के कारण होती हैं।

कानूनी ढांचा:

- वस्तुओं का भौगोलिक संकेत (पंजीकरण और संरक्षण) अधिनियम, 1999
- 2003 में लागू हुआ।
- उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) के तहत जीआई रजिस्ट्री, चेन्नई द्वारा प्रशासित।

जीआई टैग के लाभ:

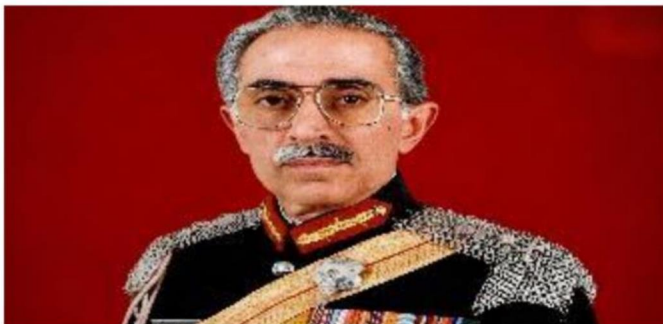
- दुरुपयोग के खिलाफ कानूनी सुरक्षा। - उत्पाद मूल्य और विपणन क्षमता को बढ़ाता है। - पारंपरिक ज्ञान और शिल्प कौशल को संरक्षित करता है। - निर्यात को बढ़ावा देता है। - ग्रामीण और जनजातीय उद्यमिता को प्रोत्साहित करता है। - स्थायी आजीविका का समर्थन करता है।
--

परीक्षा फोकस बिंदु:

- जीआई उत्पाद: पिथोरा पेंटिंग। - राज्य: गुजरात। - जीआई टैग दिया गया: 2021। - जनजातियाँ: राठवा, भील, भिलाला। - मेजर डिस्ट्रिक्ट्स: छोटा उदेपुर, वडोदरा, पंचमहला। - मुख्य देवता: बाबा पिथौरा। - सहायक संगठन: GSHHDC (गरवी गुर्जरी)। - संबंधित संगठन: ट्राइफेड। - जीआई कानून: वस्तुओं के भौगोलिक संकेत (पंजीकरण और संरक्षण) अधिनियम, 1999। - जीआई रजिस्ट्री: चेन्नई।
--

गुजरात के अन्य जीआई-टैग उत्पाद:

पूर्व सेना प्रमुख जनरल विश्वनाथ शर्मा का 96 साल की उम्र में निधन



- पूर्व सेना प्रमुख (COAS), जनरल विश्वनाथ शर्मा (PVSM, AVSM, ADC) का 96 वर्ष की आयु में नई दिल्ली में निधन हो गया।
- 1965 और 1971 के भारत-पाक युद्ध के एक प्रतिष्ठित अनुभवी, उन्होंने 1 मई 1988 से 30 जून 1990 तक सेना के 14 वें प्रमुख के रूप में कार्य किया।

- जनरल शर्मा भारत की आजादी के बाद सेना प्रमुख के पद तक पहुंचने वाले पहले अधिकारी थे।
- अपने कार्यकाल के दौरान, उन्होंने भारत की रक्षा तैयारियों को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, विशेष रूप से चीन के साथ 1987 के सुमदोरोंग चू (वांगडुंग) गतिरोध के दौरान, और श्रीलंका में भारतीय शांति सेना (आईपीकेएफ) की तैनाती सहित प्रमुख सैन्य अभियानों की देखरेख की।

पुरस्कार और सम्मान:

- जनरल विश्वनाथ शर्मा को कई प्रतिष्ठित सैन्य सम्मान मिले, जिनमें शामिल हैं:
- परम विशिष्ट सेवा पदक (पीवीएसएम) – उच्चतम क्रम की विशिष्ट सेवा।
- अति विशिष्ट सेवा पदक (एवीएसएम) - एक असाधारण क्रम की विशिष्ट सेवा।

- भारत के राष्ट्रपति के सहायक (एडीसी)।

परीक्षा फोकस बिंदु:

- पूर्व सेना प्रमुख: जनरल विश्वनाथ शर्मा।
- कार्यकाल: 1988-1990।

- प्रमुख युद्ध: 1965 और 1971 भारत-पाक युद्ध।
- प्रमुख घटना: सुमदोरोंग चू (वांगडुंग) गतिरोध।
- सैन्य अभियान: भारतीय शांति सेना (आईपीकेएफ)।
- पुरस्कार: पीवीएसएम, एवीएसएम।

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने अपतटीय तेल और गैस अन्वेषण के लिए 84,084 करोड़ रुपये की समुद्र मंथन योजना को मंजूरी दी



- केंद्रीय मंत्रिमंडल ने भारत के गहरे पानी और अति-गहरे पानी के क्षेत्रों में अपतटीय तेल और प्राकृतिक गैस की खोज में तेजी लाने के लिए 84,084 करोड़ रुपये के कुल परिव्यय के साथ समुद्र मंथन – राष्ट्रीय अपतटीय अन्वेषण योजना (एनओईएस) को मंजूरी दे दी है। इस योजना का उद्देश्य आयातित कच्चे तेल और प्राकृतिक गैस पर भारत की निर्भरता को कम करना, ऊर्जा सुरक्षा बढ़ाना, वैश्विक निवेश को आकर्षित करना और उन्नत भूकंपीय सर्वेक्षण, खोजपूर्ण ड्रिलिंग और सामान्य अपतटीय बुनियादी ढांचे के विकास के माध्यम से घरेलू हाइड्रोकार्बन उत्पादन को मजबूत करना है। यह योजना पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय (एमओपीएनजी) के तहत अगले पांच वर्षों में लागू की जाएगी।

इस योजना में शामिल हैं:

- बड़े पैमाने पर 2 डी और 3 डी भूकंपीय सर्वेक्षण।
- गहरे पानी और अति-गहरे पानी के घाटियों में खोजपूर्ण ड्रिलिंग।
- सामान्य अपतटीय अन्वेषण बुनियादी ढांचे का विकास।
- अन्वेषण जोखिमों को कम करने के लिए वित्तीय सहायता।
- उन्नत अन्वेषण प्रौद्योगिकियों को बढ़ावा देना।
- घरेलू और वैश्विक ऊर्जा कंपनियों की भागीदारी में वृद्धि।

योजना का महत्व

इस योजना से अपेक्षित है:

- आयातित कच्चे तेल और प्राकृतिक गैस पर भारत की निर्भरता को कम करना।
- दीर्घकालिक ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करना।
- घरेलू हाइड्रोकार्बन उत्पादन में सुधार।

- अन्वेषण क्षेत्र में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) को आकर्षित करना।
- पेट्रोलियम और अपतटीय उद्योगों में रोजगार पैदा करना।
- रणनीतिक लचीलापन सुनिश्चित करते हुए भारत की बढ़ती ऊर्जा मांग का समर्थन करना।

अपतटीय अन्वेषण क्या है?

- अपतटीय अन्वेषण महासागरों और अपतटीय घाटियों में समुद्र तल के नीचे पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस की खोज को संदर्भित करता है।

प्रकार:

- उथले पानी की खोज - आम तौर पर लगभग 400 मीटर पानी की गहराई तक।
- गहरे पानी की खोज - लगभग 400-1,500 मीटर पानी की गहराई।
- अल्ट्रा-डीपवाटर एक्सप्लोरेशन - 1,500 मीटर पानी की गहराई से परे।
- गहरे पानी की खोज के लिए परिष्कृत ड्रिलिंग तकनीक, उच्च निवेश और उन्नत भूवैज्ञानिक सर्वेक्षणों की आवश्यकता होती है।

गहरे पानी की खोज क्यों महत्वपूर्ण है?

- भारत अपनी कच्चे तेल और प्राकृतिक गैस आवश्यकताओं का एक बड़ा हिस्सा आयात करता है, जिससे यह वैश्विक मूल्य में उतार-चढ़ाव और भू-राजनीतिक व्यवधानों के प्रति संवेदनशील हो जाता है।

गहरे पानी की खोज मदद करती है:

- घरेलू तेल और गैस भंडार बढ़ाएं।
- ऊर्जा स्रोतों में विविधता लाना।
- आयात बिल कम करें।
- रणनीतिक ऊर्जा लचीलापन में सुधार करें।
- औद्योगिक और आर्थिक विकास का समर्थन करें।

राष्ट्रीय गहरे पानी की खोज मिशन:

- समुद्र मंथन योजना भारत के व्यापक राष्ट्रीय गहरे पानी की खोज मिशन का हिस्सा है, जिसकी घोषणा अपतटीय हाइड्रोकार्बन संसाधनों की खोज में तेजी लाने और दीर्घकालिक ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करने के लिए की गई है।

भारत में हाइड्रोकार्बन अन्वेषण:

- प्रमुख अपतटीय बेसिन
- मुंबई अपतटीय बेसिन।
- कृष्णा-गोदावरी (केजी) बेसिन।
- महानदी बेसिन।
- कावेरी बेसिन।
- अंडमान अपतटीय बेसिन।

- महानदी अपतटीय बेसिन में हाल ही में समुद्र मंथन पहल के तहत गहरे पानी में एक खोजपूर्ण कुआं उगने का मौका मिला।

हाइड्रोकार्बन महानिदेशालय (DGH):

- स्थापित: 1993
- मुख्यालय: नोएडा, उत्तर प्रदेश
- प्रशासनिक मंत्रालय: पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय

कार्य:

- अपस्ट्रीम तेल और गैस की खोज को नियंत्रित करता है।
- सरकार को तकनीकी सलाह प्रदान करता है।
- अन्वेषण और उत्पादन गतिविधियों की निगरानी करता है।
- हाइड्रोकार्बन अन्वेषण को बढ़ावा देता है।

ओपन एकरेज लाइसेंसिंग प्रोग्राम (OALP):

- ओपन एकरेज लाइसेंसिंग प्रोग्राम (OALP) कंपनियों को पूरे वर्ष अन्वेषण ब्लॉकों की पहचान करने और प्रस्तावित करने की अनुमति देता है।
- के तहत कार्यान्वित:
- हाइड्रोकार्बन अन्वेषण और लाइसेंसिंग नीति (HELP)।

उद्देश्य:

- निजी क्षेत्र की भागीदारी बढ़ाना।
- अन्वेषण लाइसेंसिंग को सरल बनाएं।
- घरेलू हाइड्रोकार्बन उत्पादन बढ़ाना।

ONGC के बारे में:

- पूरा नाम : तेल और प्राकृतिक गैस निगम लिमिटेड
- स्थापित: 1956
- मुख्यालय: नई दिल्ली
- अध्यक्ष और सीईओ: अरुण कुमार सिंह
- ओएनजीसी भारत की सबसे बड़ी कच्चे तेल और प्राकृतिक गैस की खोज और उत्पादन कंपनी है।

हाइड्रोकार्बन अन्वेषण और लाइसेंसिंग नीति (HELP):

- 2016 में लॉन्च किया गया।
 - नई अन्वेषण लाइसेंसिंग नीति (एनईएलपी) को प्रतिस्थापित किया गया।
- शुरू किया:**

- ओपन एकड लाइसेंसिंग।
- राजस्व-साझाकरण मॉडल।
- सभी हाइड्रोकार्बन के लिए समान लाइसेंसिंग।
- उत्पादकों के लिए विपणन और मूल्य निर्धारण की स्वतंत्रता।

सामरिक पेट्रोलियम भंडार (एसपीआर)

भारत ने रणनीतिक कच्चे तेल के भंडार स्थापित किए हैं:

- विशाखापत्तनम (आंध्र प्रदेश)।
- मैंगलोर (कर्नाटक)
- पादुर (कर्नाटक)।

परीक्षा फोकस बिंदु:

- योजना: समुद्र मंथन - राष्ट्रीय अपतटीय अन्वेषण योजना।
- परिश्रम: ₹84,084 करोड़
- नोडल मंत्रालय: पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय।
- उद्देश्य: गहरे पानी और अति-गहरे पानी के तेल और गैस की खोज को बढ़ावा देना।
- कार्यान्वयन अवधि: पांच वर्ष।
- संबंधित मिशन: राष्ट्रीय गहरे पानी की खोज मिशन।
- नियामक: हाइड्रोकार्बन महानिदेशालय (DGH)।
- लाइसेंसिंग नीति: हाइड्रोकार्बन अन्वेषण और लाइसेंसिंग नीति (HELP)।
- प्रमुख पीएसयू: ओएनजीसी।
- रणनीतिक लक्ष्य: ऊर्जा सुरक्षा और तेल आयात में कमी।

लेट्स रिवाइज

- ❖ भारतीय सेना द्वारा हाल ही में चरम जलवायु परिस्थितियों के लिए लॉन्च किए गए स्वदेशी ईंधन का नाम क्या है? **एक्सट्रीम वेदर ग्रेड (XWG) डीजल**।
- ❖ जन्म और मृत्यु के विलंबित पंजीकरण के प्रावधानों को मजबूत करने के लिए हाल ही में लोकसभा द्वारा कौन सा विधेयक पारित किया गया था? **जन्म और मृत्यु पंजीकरण (संशोधन) विधेयक, 2026**
- ❖ आंध्र प्रदेश में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा किस नए अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे का उद्घाटन किया गया था? **अल्लूरी सीताराम राजू अंतराष्ट्रीय हवाई अड्डा**।
- ❖ भारत में फ्लोटिंग सौर ऊर्जा परियोजनाओं को बढ़ावा देने के लिए किस नई योजना को मंजूरी दी गई है? **प्रधानमंत्री सूर्य सरोवर योजना (पीएम-एसएसवाई)**
- ❖ केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा किस योजना को वित्त वर्ष 2030-31 तक बढ़ा दिया गया है? **प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि (पीएम-किसान)**।
- ❖ U17 विश्व कुश्ती चैंपियनशिप 2026 में भारत का रजत पदक किसने जीता? **अनुज (65 किग्रा)**।
- ❖ किस भारतीय अधिकारी ने हाल ही में भूटान की दो दिवसीय आधिकारिक यात्रा का समापन किया? **विदेश सचिव विक्रम मिश्री**।
- ❖ गुजरात के किस पारंपरिक आदिवासी कला रूप को भौगोलिक संकेत (जीआई) टैग मिला है? **पिथौरा पेंटिंग**।
- ❖ हाल ही में 96 वर्ष की आयु में किस पूर्व सेना प्रमुख का निधन हो गया? **जनरल विश्वनाथ शर्मा**।
- ❖ भारत में अपतटीय तेल और गैस की खोज को बढ़ावा देने के लिए किस नई योजना को मंजूरी दी गई है? **समुद्र मंथन - राष्ट्रीय अपतटीय अन्वेषण योजना (एनओईएस)**।



The **ACHIEVERS** IAS ACADEMY PATNA

Daily **NEWS CHRONICLE**

IMPORTANCE OF CURRENT AFFAIRS IN UPSC EXAMINATIONS

Current Affairs hold a crucial place in the preparation for the UPSC Civil Services Examination. A comprehensive understanding of recent national and international developments helps aspirants strengthen their General Studies foundation and develop a well-rounded perspective on important issues. Topics such as government policies, schemes, economy, international relations, science and technology, environment, defence, social justice, governance, reports, indices, appointments, awards, and major global events are highly relevant for both the Prelims and Mains examinations. Regular study of current affairs not only enhances factual knowledge but also improves analytical ability, critical thinking, answer-writing skills, and decision-making aptitude. Since UPSC questions often connect contemporary developments with static subjects, consistent preparation of current affairs enables aspirants to understand issues in depth and present balanced, informed, and relevant answers. It also plays an important role in Essay writing, Ethics, and the Personality Test, giving candidates a strong edge throughout the examination process.

CONTACT US



+91 8434931877



achievers_ias_patna



PATLIPUTRA GOLAMBAR



ACHIEVERS IAS ACADEMY (UPSC/BPSC)



achieversiaspatna@gmail.com



Achievers IAS Academy



www.achieversiaspatna.co.in



Achievers IAS Academy, PATNA